

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२३

सत्र – २

विषय : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (HC - 201)

दि.: २३/०५/२०२३

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय दीजिए।
- प्र. २ उदात्त सिध्दान्त को स्पष्ट करते हुए, काव्य में उसके महत्त्व को रेखांकित कीजिए।
- प्र. ३ क्रोचे की कला विषयक धारणाओं पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ४ आलोचना की विभिन्न प्रणालियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ संरचनावाद का स्वरूप समझाते हुए, उसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ६ रिचर्डस की संप्रेषण प्रक्रिया को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
- प्र. ७ होरेस की काव्य-विवेचना पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ८ यथार्थवाद का स्वरूप प्रस्तुत करते हुए, उनके भेदों का परिचय दीजिए।
- प्र. ९ विरेचन सिध्दान्त की अलग-अलग व्याख्या प्रस्तुत कीजिए।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
१. बिंबवाद
  २. आलोचक के गुण
  ३. अभिव्यंजना और कल्पना का संबंध
  ४. उदात्त के विरोधी तत्त्व ।